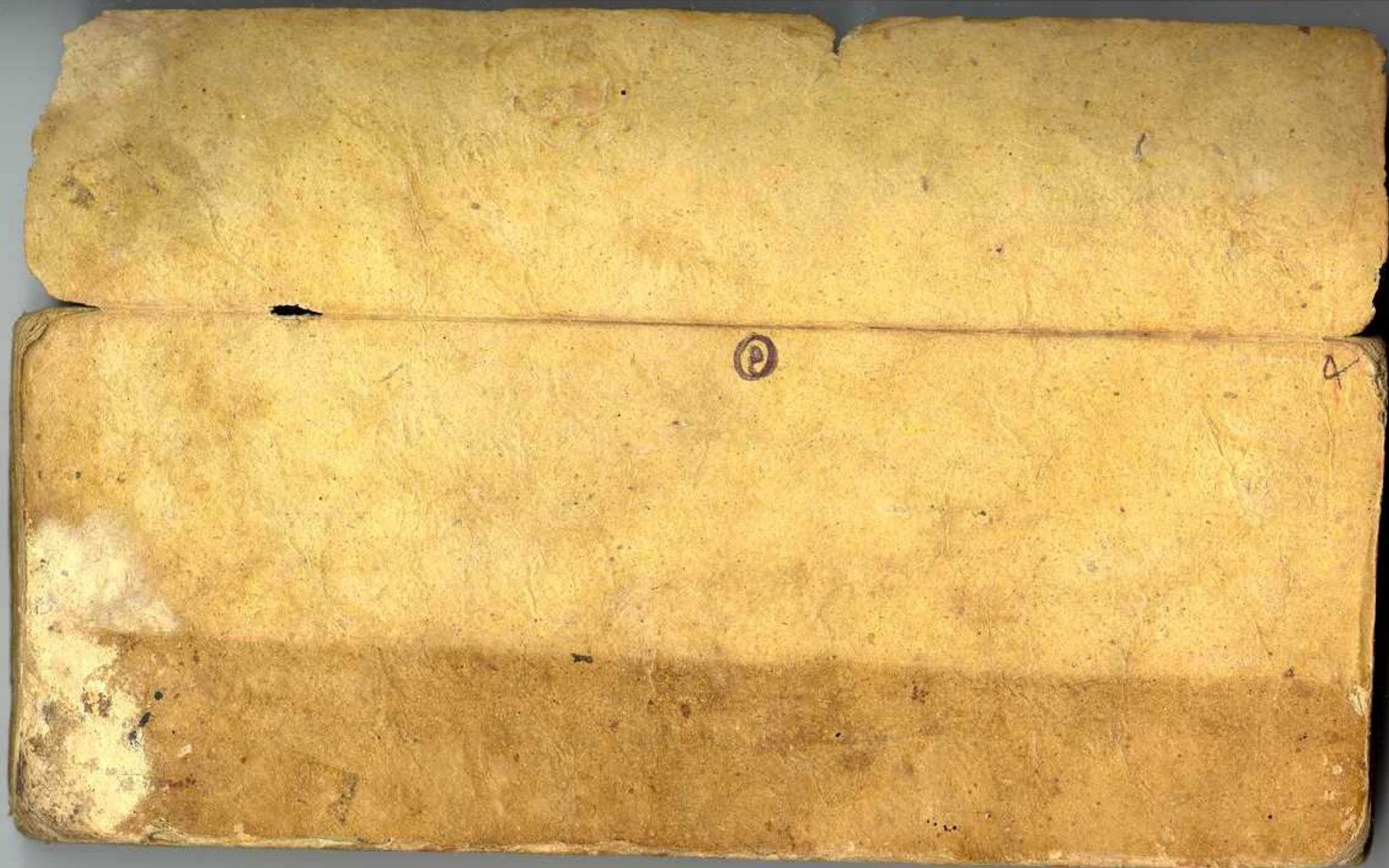


ASMA ARCHIVES

1.286

1.286



ॐ नमः श्रीसिद्धिलक्ष्मी देव्याय ॥ नमो मद्राष्टमी विप्रिलिखन ॥ नव
राजदंष्ट्रयावसथविधान ॥ कलसया नं ॥ अष्टयन ॥ अष्टमृद ॥ अं मृध
यानं ॥ शिकानरं धंदाव ॥ खड्गान ॥ मूलखण्डयानं ॥ अष्टयन ॥ अष्टमृद
ऊव ॥ खव ॥ गणखण्डयानं ॥ अष्टयन ॥ सयिदयानं ॥ अष्टयन ॥ अष्ट
मृद ॥ खण्डयानं ॥ धालयादाव ॥ कथाद्यादावथाय ॥ कद
लकुजायानं ॥ वायति यथथाय ॥ सयिदयाद्वन ॥ कथाद्यादध
उयादथाय ॥ धलिहिलियानं ॥ अष्टयन ॥ अष्टमृद ॥ धलिहिलियाऊव
सवलियाद ॥ खवसवलियाद ॥ मूलखण्डया ॥ धलिहिलियाद्वन
हाक

वलिहिलियाद्वन ॥ धयानं ॥ खड्गान ॥ मूलखण्डयानं ॥ धलिहिलियानं ॥ अर्च
यायानं ॥ शिकान ॥ हाक ॥ थासाकयाख ॥ लास ॥ यथैवलियानं ॥ कण
यादथाय ॥ धलिहिलिद्वन ॥ ऊऊमानयानं ॥ मृदिकथाय ॥ धनं वज
थविधिया ॥ ५ ॥ नमो जायुजाथाय ॥ मूलखण्डया ॥ कलसया ॥ सयि
दद्वन ॥ हाऊयाद ॥ ऊं नवलि ॥ यथैवलिया ॥ धनं याद ॥ दवसऊ
वस ॥ गालजा ॥ खवस ॥ म्यालनेवद्य ॥ यथैवलिया ॥ म्यावनेवद्य
थकस ॥ कुजावन ॥ यंकस ॥ कदवालाक ॥ थाकस ॥ हाकवास

कर्वक स॥ मूल खडुया थलुलिया दू वन बलि कू या ट ५५ ५
वयनि क स॥ कुम् सयिद थलुलि कु कल लुजा य व वलि था
ला क वलि आ का स मा ल ॥ द व॥ क स॥ कुम् थलुलि कु कल लुजा
धन स॥ अ वि म्या ल ॥ क स स इ इ स ह म न ॥ ऊ ज मा का॥ अ इ वा ल स
क ल रि न ॥ क म्या ल स॥ स द कू स॥ क स का य य ॥ क स क न॥ सिं
मूठ॥ क स॥ द व या ख व स ॥ ध या दू व न॥ कु कल लुजा ॥ कुम् द
द व स ऊ व स ॥ क र्ण य ना का॥ सिं ध न क कल लुजा स न ॥ वलि

यनि॥ य व य ना का न ॥ ध न व स थ वि वि ॥ ॥ न ना थ लुलि वा
थ ॥ स्या न यू जा ह ॥ थ लुलि था य या ट ३ ॥ कु मा व ३ ॥ रिं द सिं ध ॥
क ड म म व रु ॥ क मु वि॥ क यू व॥ पी र व पु॥ कु कु म॥ ध न स म रा ग न वू
थ ॥ थं यि नि दं ग व उ ३ ॥ कु मौ क स्या न ला का उ ॥ ऊं दू या ट ३ न व लि यू ३
॥ न व ना उ इ ध स॥ पु न म क स॥ थो य ॥ अ ह य व या द व न॥ कु मा व॥ ध
या द व न॥ कु न ॥ न व था ल॥ यं क स॥ द ध ऊं या ट॥ द ध स ॥ वि चा या ट
थ क स न ॥ कु य नि यां॥ लि व न॥ कु म पु ल ५५ ५५ या व॥ ख ल य॥ ध या

देवनं धर्मिनिर्घनं। कुया ह वनं कु मधुलधाय धनया देवनं नव
लि दं दनं। दधया टया ह वनं। अर्घया कु। आवा र्घनं वं सस्यं
वादा व धलि लि था य। वाक्क। महा क मि या र्घनं वका। दाल नि
मि र्घार्थेन। मारु लु। र्घ। गु कन स्का व। उय व लु। मूल न्या स।
सिद्धि लक्ष्मी मूल न्या स। उल या व अर्घ या कु। कु न धु दि। आस
पूजा। वि नु यन अर्घ या कु। दक न सिल सिलि र्घ य न ३। दध
या ट रु थि र्घ सं व रु नि। आ वा रु न। उं र्घि य र्घि य र्घि वलि वि थ

॥ अर्घ या कु। दक न वा मा व रु न सिद्धि लक्ष्मी गायत्री न था कर्ण ध
व स था व ३। दध या ट स। उ व ख व न या ट स उय व न्दा गायत्री
न हा य। व कु म र्घ रु न ला य व थ। सिं धु का या ल न था या व थ
थ। धू य ल य र्ग न क। रु न सा या व स वा खान था य। दध स मि
द्धि लक्ष्मी उ व ख व उय व लु वा थ। कु म ल म्भ उ सं इ व न रु म्भ
वी उ वा थ। सिं धु न अर्घ व लु या द वा थ। व लु आय य द यः
न्या न र्थ न। स्म य म्भाल न का यू थ। उ उ म का दि सि उ क खान

न क्खवायकं कुम्भयुग्मिं ॥ कुम्भस्नान थल्लिलि संवे ॥ यूजन ॥ दधु
 ससिद्धिलक्का दधुलि ॥ ऊव ॥ खव ॥ उग्र वल्लु दधुवि ॥ लान साखं
 दयाथ ॥ मलाट सा खिदव ॥ गिया ऊरलिन खाया ॥ कुम्भयुजन ॥ अः
 सिनाझादि ॥ सकाव ऊनर ॥ अथा वा सु ॥ धन स्वलिं ॥ दधु सादिस
 क्रीम ऊन ॥ ऊव ॥ खव ॥ उग्र वल्लु मऊन ॥ नान ॥ वलि ॥ अं दुस ॥ खा
 कम हा वलि ॥ धूय ॥ दीय ॥ जाय ॥ अ ॥ उ ॥ संवर्क ॥ मार्क ॥ दवा ॥ जादः
 वी ॥ उ ॥ रु ॥ ला ॥ सु ॥ कुम्भया ॥ वल्लु ॥ न्नायं ॥ लादि ॥ वाकन सरु ॥ अग्रगन्थ

१७॥ संगताग्नि ॥

दिना ॥ न कान क ॥ अथ यूव ॥ वलि विसर्जन ॥ थल्लिलि विसर्जन ॥
 अं दुस याटं ॥ अर्घ याटं ॥ गार वल्लु ख सक्का य ॥ थल्लिलि स ॥ सिं वलि
 लंठन था य ॥ थल्लिलि स ॥ लिमिन यू य ॥ संख दल्लु द व गु वि ॥ न व थ
 ल स था य ॥ न व वा व क ॥ कु ॥ कु या या टन ॥ दधु गुलि स था य ॥ अग्नि
 का ॥ कु ॥ कु या ॥ मिथ या टन ॥ ख व ला या ट स था य ॥ ट व था व स था या
 थल्लिलि ॥ कुम्भ न ॥ थ ना ख व लु क थि य न ॥ ख व ला स था द धु वि ॥ कुम्भ
 मा भ स्व वा स य न ॥ दधु गु वि ॥ थल्लिलि ॥ कुम्भ ॥ न व वा व ई ॥ धु सं था य ॥
 स न ॥ धन थल्लिलि वा य विधि ॥ ॥ न व दा व अ वा ठन ॥ सयिः

दकाववनं वं कुलिसाधनरुयावथमानयथन॥ ॥ वं वं
वदवचालनयाथ॥ इत्युक्तिसा॥ यूजाह॥ ॥ वलियाह॥ ॥ ऊजमान
स्वस्तिकसविष्णुचक्रं॥ यूयाह॥ ऊनयाचक्रं॥ मारुतु॥ ध्या॥ युक्त
नमस्तु॥ सिद्धिलक्ष्मीमूलन्या॥ ऊलयाह॥ ऊर्ध्वयाह॥ युक्त
हि॥ आत्मयूजा॥ विष्णुयज्ञसिंहासि॥ स्वयं॥ सवर्तुनि आवा
हन॥ यूजनमूलस॥ विद्वत्॥ ध्यान॥ मावामल॥ धिवाधवी॥ ॥ ॥
मूलमन्त्र॥ ऊजमानप्रियाऊर्ल॥ याद्विम आदिन॥ सकवर्तुमाः
व॥ यूय॥ दीय॥ जाव॥ स्व॥ प्रियाऊर्नि॥ दाकथनी॥ अग्निरेवा

य॥ मूलसङ्का॥ कुहिल॥ सा॥ नित्यकर्मरुका॥ अङ्गगन्धादि
॥ वाक्चनेसरु॥ प्रकानक॥ ऊर्ध्वयू॥ वलिविर्जन॥ ऊर्ध्वमन्त्रनद
वचालनयाथ॥ ऊजमानं॥ ऊव॥ स्ववसथादं॥ स्वस्तिकसंवाहानस॥ न
स्वनहायाव॥ वरुन॥ स्वस्तिकथायाव॥ स्वस्तिकने॥ रुक्तसयूजायाथ
॥ अङ्कन॥ दाहलक्ष॥ आवादस्यंमूलस्वस्तुकायाव॥ उरुल्लायज्यं
ऊजमानवादावकाथं॥ मूलयाऊववासथादक्षं॥ मार्क॥ पुथायः
दयं॥ उग्रवस्तुन॥ वादावकाथं॥ दंगालया॥ नवरुवाक॥ स्वववाः
सथादक्षं॥ य॥ जाधवीयदयावसादावकाथं॥ स्वस्तुदकाह॥ दू

लिदका दमा क्कं थवा यउया व ऊऊ मान द्वा दा व यि थू सयि न्ना थर
लुदका दसिं पुन राय वय ॥ मूल या था य स यालि क खे न ॥ अथ
व था या व ॥ सिद्धि लक्ष्मी मूल न ॥ गु क न म स्का वा दि ॥ आत्म यु जा नः
आवा रु न ॥ य ऊ न ॥ कि दे व ॥ मा वा म ल ॥ मृथ न प्रिया ऊ र लि ॥ व उ म्
॥ व लि ॥ वा क म दा वा ल ॥ धू य दी य ॥ जा य ॥ सा ॥ नि ष क र्मा इ का ॥
व का र्म क ॥ अथ यूर्व ॥ व लि वि स र्ज न ॥ धन य लि क ख न वि क्षि ॥ ॥
मूल ख लु स ॥ सिं धू लि ल द न ॥ ध कि नि या द य य ॥ खान द्या य ॥ अथ न्न द्या
य ॥ सा यि द ॥ लि ॥ व रा ॥ कृ वि ॥ ग ल ख लु ॥ उ य व लु ॥ मूल ख लु वि व र न थ

न ॥ ध क म न का दा वि श्रा च का व ॥ न व रा उ ई ध का ट स ॥ स्व सि क स वि
श्रा च का व ॥ मूल ख लु या ॥ ख व स ॥ उ य व लु ॥ ॥ ऊ व स ॥ न व रु वा क ॥ ग
ल ख लु स क थ डे ॥ कृ वि न ॥ आ वा र्थ न का या व ॥ मा क्कं न्द था य द य ॥ ऊ
ऊ मान द्वा दा व ॥ उ य व लु ऊ दा द्वा स ॥ ऊ व था दा व स ल न ॥ म म्ना ल
व ल य नि था न ॥ अरु न ॥ व का ॥ द्वा कान नृ व कृ न ॥ व लि वि य ॥ उ
न य वि वि धि का रा य द्या दि ॥ मि म्मा ल क्क य ॥ उ स द्वा स क न न या
व स ॥ ना न या य ॥ य व ॥ मृ न न ॥ अ वि म्ना न ॥ उ स वा र्थ व र्थ न ऊ ऊ
मा न हा य ॥ अरु का क्क कृ या या द्या ॥ सिं धू वि द्या वा ॥ द व स क थ

अथ श्वयि (थं) विविज व वा च क वं थ (थं) वा च कं घा य वा च रु सिंधु
संवन स्थान संवा ल आणी घोद रा युनि द्वा रा द्वा स क न क न भ ज
वाथि वा वं ला मूद्र रु द्वा व आ वा यु न स्व लु का या व उ रु ला य
उय जज मान वा दा व था य व थ म लु वा नं १ खुं पी सिद्धि ल की द वा थ
सा हा वा मा क लु था य उ य उ य व द्वा र व लु का या व जज मान वा
दा व मूल या ज व ला र व लु क्क या द थू स थ य व थ म लु वा नं १ उ य व
लु द वा थ सा हा वा वि वि द्वा थ (थं) न व रु ला क र व लु द वा थ र व व र
स र व लु क्क या द थू स थ य व थ वा वा व न व क वा उ य व लु या ज व वा

स वा जा वि द्वा नि उ य व लु या र व वा स वा न व रु ला क क्क वि उ य व लु
वा वा व न व क ला वा अ न व स अ द स ध न्न कं न वा चि क नि धा द क्क
वि उ य व लु या र व वा स जा वि द्वा नि या ज व स अ द स ध न्न कं न वा
कुं य व द्वा नि न व रु वा क या ज व स वा मा थ न व रु वा क या र व व स वा न
व क्क वि न व रु वा क या ज व स वा अ द स ध न्न कं न वा लि व ला उ रु या
द व न ज व वा स न वा स यि द वं क स न वा द व स क लं सिंधु न रा य व य
वा दि धि उ ज म का क लू य ना का य के य ना का अ इ वा ल स्थान क
य वा आ रु न्न न य दि ल य य क वा जज मान यू य रा ज न या च क वा अ इ

[illegible]

वर्मासिं न्यासयाथ ॥ करवक्रं अङ्गन्यासः ॥ ॐ नमः सकलसं
कलयमथनिजमुक्ताथ रुद्र ॥ करसाधनं ॥ ॐ नमः ॥ हंसिनीजं
मुक्ताथनमः ॥ ॐ निर्वृतिमाज्जिहवी कर्जुन्याथ ॥ स्वाहा ॥ ॐ विद्यमा
श्रवणसमनिमयं माथीवोषट् ॥ ॐ सकलशिविनाविष्टकलसद
लनी ॥ अनानिकाथं ॥ ॐ सर्वोयदो ॥ क्षिप्रवनिनिकनिसृकाथवेष्ट
ट् ॥ ॐ सकलसंकलयमथनिजमुक्ताथ रुद्र ॥ कलीन्यासः ॥ ॐ नमः
मसंवे ॥ सिद्धिथापिनी ॥ स्वा ॥ उद्धवक्राथनमः ॥ ॐ नमः ॥ सर्वसिद्धिमा
था ॥ पूर्ववक्रं नाथयादकां ॥ ॐ नमः ॥ निस्था ॥ दिगानन्दनान्दित्ये ॥ ॐ

क्रिनवकं नाथया इकां ॥ १२५ ॥ सकलकुलचक्रनाथिका ये उरु
 यवकुनाथया इकां ॥ १२६ ॥ रुगुवतिचण्डिकाया लिखी यन्त्रिमव
 कुं नाथया इकां ॥ वकुन्यासो ॥ विदुः सुभे ॥ द्युहदय ॥ था ॥ ना ॥ लो
 ना ॥ उं मुख ॥ की ॥ वामनासां यून ॥ दं ॥ दकि ॥ लनासां यून ॥ दं ॥ वामन ॥ न
 दं ॥ दकि ॥ नन ॥ उं ॥ को ॥ वामक ॥ ल् ॥ को ॥ दकि ॥ ल ॥ क ॥ ल् ॥ न ॥ लि ॥ ग ॥
 मे ॥ यु ॥ उं ॥ ॥ नि ॥ वी ॥ जं ॥ न्या ॥ स ॥ ॥ ॥ १२५ ॥ यवमदं सिनी सर्वज्ञानावद
 थनाथया इकां ॥ १२६ ॥ निवृत्तिनमाग्नेदवी ॥ तृपिलिवसं स्वाहा ॥ १२७ ॥ विरवमा
 प्रवयसमनि जूनो दिवा ॥ धनिरवायाम्नाया इकां ॥ १२८ ॥ स ॥ कलइ ॥

लिनाविष्टुक्तं सदलनी स्वर्गकवचाय द्रुं ॥ १ ॥ सर्वोयदाभूत्तिनललि
अलूयलकि भननयाथ वषट् ॥ १ ॥ सु सक लल कृष्णमथनी अमु
थरुद्र ॥ ०० नि अस्तन्यास ॥ १ ॥ कौंठि ज लयागुनाथयाइकां ॥ १ ॥ कौंठि
हल्लि जलयागुरुद्राविकाथयाइकां ॥ १ ॥ सु यवमर्हं सिनिसर्वद्राः
नावहदयाथयाइकां ॥ ०० त्यादि सतुल्ल ॥ १ ॥ सैयुक्त ॥ आवाक ॥ ००
नुमूडा ॥ १ ॥ कौंठि सु सिद्धिले श्रीविद्मर्ह नवयथा मर्ह ननाल लकीय
थादयागुना आमादि सर्वेदवाथा कर्नी ॥ ०० मि जलयागुयुजा ॥ ॥
१ ॥ कौंठि सु अर्घयागुनाथयाइकां ॥ १ ॥ अर्घयागु स्वजानि विदिदवा

यविष्टुष्टु यथगुणां कीर्तिं श्रीं जानन्दलवाय वा यदुगां कीः
श्रीं शुभं सः सः सः यथा श्रीं देवी अमृन्वमृष्टा हां ॥ इत्यस्य
सः अमृन्मृदानवा लः ॥ १ ॥ उं कीं कं हां कं को को नमः ॥ यथा
ऊरलि ॥ १ ॥ शुं यलमहं निनी सर्वज्ञा वा बह दया यनमः ॥ १ ॥
दिस उरुन संयुक्तं ॥ आवा कथा निमृडा ॥ १ ॥ शुं आत्मनं चन्दनं
मः ॥ १ ॥ शुं अकृन्तनं सः ॥ १ ॥ शुं सिद्धं लनमः ॥ १ ॥ शुं अनमो हनीनमः ॥
१ ॥ शुं उं कीं कं हां कं कं को नमः ॥ १ ॥ अननमः ॥ न आत्मनं यथा नमः
१ ॥ १ ॥ सकल सकल मथनि अस्मा यदु विदुः यथा नमः नः ॥

आत्मनिवासि सिद्धे यथगुणमालनी यथगुणां कीर्तिं श्रीं मयूरा मयया
इकां ॥ १ ॥ श्रीं कीं कल यथ वद कना था यथा इकां ॥ १ ॥ उं कीं श्रीं देवी यथ
यिह लज्जटा रु वरु सव वि ननु हा ला मुख सर्व विद्युना सथ १ ॥
रु दृष्टा हा ॥ १ ॥ उं कीं श्रीं न वा मय या इकां ॥ १ ॥ उं कीं श्रीं यथ सुदीय द
कि देवी महा धी के यथा वा यथा इकां ॥ १ ॥ उं कीं श्रीं ॥ १ ॥ रु वरु नाथि यथ
के यथा ला थ सव न्ना रुमा सदि नाथ स्वा हा ॥ १ ॥ उं कीं श्रीं सिद्धा मय या
इकां ॥ १ ॥ उं कीं श्रीं जा सर्वथा गि यथा इकां ॥ १ ॥ उं कीं श्रीं सर्वथा गि नी यथ
वै श्री ॥ १ ॥ यथ सर्व के यथा ल यथ १ ॥ रु दृष्टा हा ॥ १ ॥ उं कीं श्रीं यथा मय या

इकां॥ उँ॥ की॥ श्री॥ धूम॥ श्री॥ सिद्धि॥ वाम॥ धु॥ यया॥ इकां॥ धु॥ न॥ वलि॥ उँ॥ की॥ श्री॥
मूसा॥ सा॥ य॥ या॥ इकां॥ उँ॥ की॥ श्री॥ गंगी॥ गू॥ गं॥ ४॥ श्री॥ क॥ ल॥ ग॥ ॥ ॥
सा॥ य॥ या॥ इकां॥ धु॥ न॥ वलि॥ आ॥ वा॥ क॥ द॥ पु॥ न॥ उँ॥ नि॥ थानि॥ वि॥ न॥ ग॥ उ॥
मू॥ डा॥ न॥ द॥ ध॥ थ॥ न॥ जा॥ य॥ थ॥ व॥ र॥ म॥ ल॥ न॥ आ॥ वा॥ य॥ श्री॥ का॥ य॥ र्ण॥ क॥ मा॥ र्ण॥
दि॥ वा॥ वि॥ न॥ रु॥ य॥ उँ॥ की॥ श्री॥ या॥ सा॥ य॥ वा॥ य॥ र्ण॥ द॥ वी॥ स्व॥ ग॥ म॥ स्व॥ ग॥ रु॥ यि॥ नी॥ सु॥
र॥ ला॥ क॥ ग॥ मा॥ श्री॥ सा॥ आ॥ या॥ न॥ ०॥ रु॥ म॥ धु॥ ल॥ न॥ ०॥ द॥ आ॥ यी॥ वा॥ हि॥ स्व॥ न॥
वा॥ द॥ या॥ मि॥ या॥ इकां॥ धु॥ धु॥ लि॥ धि॥ स॥ य॥ ०॥ रु॥ उँ॥ की॥ श्री॥ न॥ वा॥ सा॥ य॥ या॥ इ॥
कां॥ उँ॥ की॥ श्री॥ म॥ य॥ वा॥ सा॥ य॥ या॥ इकां॥ उँ॥ की॥ श्री॥ मू॥ सा॥ सा॥ य॥ या॥ इकां॥ उँ॥

की॥ श्री॥ धूम॥ य॥ सु॥ व॥ दी॥ य॥ द॥ म॥ की॥ द॥ वी॥ म॥ दा॥ ध॥ न॥ रु॥ य॥ ला॥ य॥ या॥ इकां॥
उँ॥ की॥ श्री॥ श्री॥ की॥ क॥ ल॥ य॥ व॥ व॥ द॥ क॥ ना॥ ध॥ य॥ या॥ इकां॥ उँ॥ की॥ श्री॥ गंगी॥
गू॥ गं॥ ४॥ श्री॥ क॥ व॥ ग॥ ॥ ॥ ॥ वा॥ य॥ या॥ इकां॥ धु॥ न॥ वलि॥ आ॥ वा॥
क॥ द॥ पु॥ न॥ उँ॥ नि॥ ग॥ उ॥ मू॥ डा॥ न॥ द॥ ध॥ थ॥ न॥ ध॥ धु॥ लि॥ स॥ ॥ द॥ व॥ र॥ म॥ ल॥ न॥
दि॥ ल॥ श्री॥ उ॥ ग॥ व॥ धु॥ स॥ व॥ सा॥ क॥ थ॥ यो॥ ठ॥ र्ण॥ वि॥ द॥ व॥ न॥ मा॥ ल॥ ॥ ०॥ ॥
द॥ ना॥ क॥ स॥ य॥ जा॥ उँ॥ रु॥ स॥ ४॥ अ॥ रु॥ का॥ थ॥ रु॥ द॥ ॥ ०॥ सा॥ दि॥ क॥ ल॥ अ॥ रु॥ न॥
स॥ ॥ ०॥ रु॥ न॥ उँ॥ रु॥ स॥ ४॥ आ॥ वा॥ र॥ न॥ के॥ न॥ म॥ ॥ ०॥ रु॥ न॥ आ॥ सा॥ य॥ न॥ म॥ ॥ ०॥ रु॥
या॥ सा॥ य॥ १॥ ३॥ ना॥ वा॥ सा॥ य॥ १॥ ३॥ य॥ ग॥ सा॥ य॥ १॥ ३॥ के॥ स॥ वा॥ सा॥ य॥ १॥ ३॥ क॥

शुद्धलानं सलुद्धं मृटिकमनिनिरुं यन्न वं कुरु कुरु वा वृन्नीथ
युद्धकं सकलगुन निमि यवे रत्ना मन्त्री स राजा जगज्जगत्सु सस्य
मूनिजननमिर्न स्थविर्न सर्वराव नाम्बन्ध नोमिरुक्ता निवसग
मिरुगा कुरुमृतिर्नमा सु राजा जगत् गन्धदि वा कनसद वा नि कुरु
युजाय ० ॥ नमो कुरु युजने ॥ अद्या वा कन न्या स वा विदव वाय
द्या म्नाथ या इका ॥ ध्यान ॥ उं कीर्ती यवे रत्ना स्य दि कनर्न यु कटि मद
नं बाल उद्धायवीर्न यिगा क समष्ट कमी यव यद्यन निरुं दि युज
बालयर्न ॥ न्ये सु सैवर्मा वाय सवमथ यवर्ण सद्गदादि क वडं द

शुद्धलानं सलुद्धं मृटिकमनिनिरुं यन्न वं कुरु कुरु वा वृन्नीथ
उं कीर्ती यवे रत्ना स्य दि कनर्न यु कटि मद
नं बाल उद्धायवीर्न यिगा क समष्ट कमी यव यद्यन निरुं दि युज
बालयर्न ॥ न्ये सु सैवर्मा वाय सवमथ यवर्ण सद्गदादि क वडं द

॥ ॐ नमो भगवते ॥ सुखे सरथीकृत

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ०१ ॥

यथिलिस् यथिमदयुचिस् कर्मस्वाद्य यमात्स्वावलिथथिलि

याजवलाङ्गुलध्यातः कादवाला कस्य नामना तु मुखध्वरीदवाचन
 ॥ न्यासनाङ्गाददयाय नमः ॥ ॐ ह्यादि करं ॥ अहं न्यासना विदुवः ॥
 अस्मिन्नादि ॥ १ ॥ बुद्धवलादि ॥ १ ॥ मूलन विद्या अलि ॥ १ ॥ नदी श्री ॥
 ॥ १ ॥ नदी ॥ १ ॥ नदी ॥ १ ॥ नदी ॥ १ ॥ नदी ॥ १ ॥ नदी ॥ १ ॥ नदी ॥ १ ॥
 वलि ॥ १ ॥ युजन रुका ॥ थिल्ली स ॥ वलि रुका ॥ कादवाला के दध
 याटस ॥ १ ॥ निलुध्वरीदवाचन ॥ ० ॥ नाम महा कालद
 विद्याय न्यासना ॥ अहं न्यासना रु ॥ १ ॥ कनिष्ठाय नमः ॥ ॐ ह्यादि
 लाम वि लामन कल वकु ॥ अहं न्यासना विविध यं जलया प्रयुजा ॥

[illegible]

विदुस्त्रिदंस्वप्नरुटकयाशानि विदुस्त्रिदंस्वप्नरुटकयाशानि विदुस्त्रिदंस्वप्नरुटकयाशानि
समाह्वयं कवन्धुकाठद्विर्नवकाविष्णुसुखदायाः शिवसाः
पृष्ट्याइकांशालिवास्वदुकाव गृध्रालोकववाकुलीरुनथं
नयिसावनां क्रिकिलाववसंकलाः समानमनाथोड्यागिनीग
लमसिना नृपमाने मेहादवं साकानादिनकावनं नमाणीमः
हालं रुचवंतुवनंथयं यय ० नृनूयादायि शकलागविनास
नं सर्वसिद्धिमवाप्नानि सदाविजयवदनेन नमः नमः
निष्पन्ननाहं सास्त्राय नमः अत्रुकायना अगिनाहं रुचवाथयं

[illegible]

इकांशधनं बलिना वै १००० मंमहाकालाय सर्वसकृद्यमर्दनाय म
हार्तिववायया इकांशविधा ॥ यत्तुं गवाधनं यो बलिथलुलियाख
बला हाकवालो कलिथयाटसना निमहाकावयूजने ॥ ० ॥
मूलयाजबला खलुक्कया दथुस उय वलुयूजने ॥ न्यासना वै १
उंकी मृग्य रुव अस्माथ रुट् ॥ कलसाधनं ॥ उंकी वायुद कनिष्ठका
थेनमना खं उय वलु अनामिकाथे खाहा ॥ उंकी वियूमर्दनी मध्यम
थयोषट् ॥ उंकी दंरु सदा वक्र २ नज् नो दं ॥ उंकी त्वां दं स ४ अहुष्ट
थवषट् ॥ उंकी मृग्य रुव अस्माथ रुट् ॥ कर्वन्यास ॥ उंकी वाजयुट् रु

[illegible]

यूयमनिनोयूयैरत्नमालाविचित्रैश्च हावमाला यसाहिना ॥ अष्ट
दशरुजाकांक्षा यिनवक्रसुभाबुहा ॥ सर्वोर्लंकावर्षरुका नदिः
काटिसमयरा ॥ खड्गसवस्तुथचक्रं वडाकसवाधुरु ॥ वयदंउम
रुहस्तुर्धेः पूलयाणुसोहिना ॥ दकि (पानकवाजना ॥ जथासासा
मथाययै ॥ रुटकंक्षनूरुकाय गदाद्यष्टासुसाहिना ॥ यासं मर्जनी
रुस्तुर्धेः खदाङ्गकसयासकं ॥ विभुमूडामथासिद्धिर्सिंहास्रयवि
म्भिना ॥ अक्षमिवागिबध्मिनी मदिसवैमहासूरं नर्द्धिवानिर्गनादे
त्य महावत्तयवाकर्म ॥ रुदयनिधिपूलन विधुनासासिगबुहा ॥ ७

[illegible][illegible]

पूर्वदिउरुचाने ॥ १ ॥ ऊँ आ ऐ औ मिथा का वाय या इकां ॥ १ ॥ ऊँ नैमस्य
 थ ख झ णा का वाय या इकां ॥ १ ॥ ऊँ वायू वायू य री या का वाय या इ
 कां ॥ १ ॥ ॐ नानाथ ये रू र्या का वाय या इकां ॥ १ ॥ अन्नादि ॐ नाना नै य
 स्तान ॥ ॐ निदान यूजा ॥ १ ॥ ऊँ ऊँ रां री रूं रूं रूं ॐ वाय वडरु साय सूर्याधि
 कथ या इकां ॥ १ ॥ ऊँ ऊँ रां री रूं रूं रूं ॐ अन्न ॥ १ ॥ किं रु साय भजा धि कथ या
 इकां ॥ १ ॥ ऊँ ऊँ मां मी मूं मूं मूं मूं मथ दलु रु साय थना धि कथ या इकां ॥
 १ ॥ ऊँ ऊँ कां की कूं कूं कूं नैम स्याथ खड्ग रु साय राक सा धि कथ या इकां
 ॥ १ ॥ वौं वी वूं वूं वूं वूं वरु नाथ या सरु सा थ ऊला धि कथ या इकां ॥ १ ॥

[illegible]

याइकां वामरक्ष्मा ॐ उं डी ठां डी पूं डी ठां डी किनी याइकां ॐ उं डी वां वां
 पूं डी वां वां किनी याइकां ॐ उं डी वे लाली लून्मा लाला किनी याइकां
 ॐ उं डी कां कां कां कां किनी याइकां ॐ उं डी सां सां
 मूं मूं सां सां किनी याइकां ॐ उं डी हां हां हां हां किनी याइकां
 ॐ उं डी सां सां निषट्ठा किनी यद्वान् युवादि सां सां
 ॐ उं डी पूं डी निषियी मथ याइकां ॐ उं डी कामरय
 यी मथ याइकां ॐ उं डी जाली यययी मथ याइकां ॐ

[illegible]

युताय॥ जयमूरवाय॥ अक्रयक॥ कुर्यक॥ वाय॥ कुरुदुवा॥ हा॥ न॥ न॥ न॥
नरव॥ अ॥ द॥ यू॥ क॥ ॥ ध॥ न॥ व॥ लि॥ ॥ ॥ नि॥ मूल॥ क॥ व॥ ला॥ ॥ स्व॥ ॥ क॥ या॥ म॥ ध॥ स॥ ॥
ग॥ य॥ ॥ म॥ यू॥ जा॥ वि॥ वि॥ ॥

ASHA ARCHIVES

9827

श्रीमद्गणेशाय नमः

ASIAN ARCHIVES

1286

श्रीगणेशाय नमः

॥

टङ्गयन॥ एङ्गा खाठ ई धु॥ यि धु॥
एथ वन्क॥ एङ्मा इ सु इ॥
एध्वनियिवने यङ्गा धोय धाय
एनिष्पतिमस इक्क स्थाय धु
नळा वङ्कुक्क ल रुनवी सु
के॥ र्क्क गिर काल कन॥ कु
सिगय कवङ्कुय॥ या कान
यानं माले॥

एङ्कुक्क ल रुनवी ल्हाय या
ने॥ नि धाथ॥ लेख वलि॥ म
म्याल॥ अनाठि॥ वल्लयानि॥
लेका॥ ह्यका॥ मंगा॥ रु॥ नाय चा॥
सुग्वन॥ ता सुग्वनळा॥ सुग्वन
यान॥ से॥ कनि॥ काना॥ नाय॥
यतवा सु॥ एध्वनं रीसाय यान
एयाकाठ कोमानी से॥ धार्थ॥
एध्वनं नवमी छक्क वस॥ धावि

एदसमी छक्क यानं वस॥ थ॥
एदवचायन यानं॥ खान यङ्गा इ
खलियाठ इ सुग्वन इ॥ उ मासा
य इ॥ उ नवनाठ यानं॥ रुन के॥

धो इ॥ याम इ॥ ४॥ ठा॥ सु॥ धी॥ क
एध्वनि॥ शाय सु॥ गुगु वि॥ का॥ क
मस॥ ४॥ ठा॥ सु॥ ग॥ धु॥ या॥ म॥ थ
यथ॥ समु॥ ग॥ इ॥ ४॥ ए॥ द॥ व॥ चा॥ य॥ न॥ या
क॥ य॥ ऊ॥ जा॥ इ॥ न॥ व॥ लि॥ या॥ ठ॥ २
एध्वनं द॥ स॥ मा॥ यानं॥ व॥ स॥ य॥ इ॥ मी

एय॥ ऊ॥ जा॥ इ॥ ४॥ व॥ लि॥ या॥ ठ॥ ४॥ ध॥ य
एमि॥ ख॥ ट॥ वा॥ दि॥ सि॥ इ॥ १

एध्वनं खलु सु॥ थ॥ य॥ यानं॥ इ॥ मी

एनवामी का॥ क॥ रु॥ स॥ य॥ जा॥ म्हा॥ य
एहं स॥ र्क्क॥ रु॥ ग॥ वा॥ नि॥ र्क्क॥

एहं स॥ र्क्क॥ व॥ लु॥ स्व॥ वी॥ र्क्क॥

एहं स॥ र्क्क॥ ना॥ ट॥ स्व॥ वी॥ र्क्क॥

एहं स॥ र्क्क॥ रु॥ य॥ य॥ इ॥ र्क्क॥

एहं स॥ र्क्क॥ व॥ च्चु॥ वा॥ दि॥ वी॥ र्क्क॥

एहं स॥ र्क्क॥ द्वा॥ रा॥ वा॥ यि॥ ना॥ य॥

एहं स॥ र्क्क॥ इ॥ मा॥ इ॥ र्क्क॥

एहं स॥ र्क्क॥

एध्वनं म॥ ऊ॥ नि॥

एउयनया मा॥ य॥ १॥ रु॥ च॥

रयिवनयूजाङ्गुथविधन॥

रखानयूजाङ्गुटायायट

वासुदिसिङ्गटसिंघ

रकर्थयनाकाटयर्थयनाक

रङ्गुडवालेटङ्गुमकाङ्गु

रघुनिगिटाङ्गुधूयवासु

रधकनस्मयङ्गुधामाट

रयर्थरुलिङ्गुमाटुचाटु

रयानूधुटससाविर्वकन

रयासाकर्कटदमटुदकिना

रधनयिवनयूजाङ्गुययार्ग

रयिथल्लिकङ्गुस्ययनाङ्गु

सुमाङ्गुनिङ्गुङ्गुङ्गुलिर्व

कुचिसङ्गनकुङ्गुलरुनीर्ग

रङ्गुगुविवाङ्गुयार्गङ्गु

कनस्यवियाङ्गुङ्गुलकुजावा

ङ्गुयङ्गुगुगुविवाकाट

कुङ्गुलरुवनीर्ग

रखानयूजाङ्गुवलियाटङ्गु

थाकयूजायार्गधनसमर्ग

वासुथयूनेङ्गुवेङ्गुसिचोङ्गु

यनाङ्गुलसङ्गुयङ्गुयाङ्गु

गाथमालङ्गुगीग

रनवमीङ्गुनवगाङ्गुईथ

सुखङ्गुसाङ्गुगुजा

रथनासनिवृत्तिमसस्याङ्गु

याङ्गुङ्गुलिम्यावासुदिसा

लेङ्गुस्यथास्यथाङ्गुवङ्गु

रनिवृत्तियावाङ्गुङ्गुङ्गुस

वाङ्गुकावाङ्गुङ्गुङ्गुगुङ्गु

कायावयागासङ्गुय

रसायायङ्गुङ्गुविङ्गुम्यासङ्गु

थानायार्गग

रनवगाङ्गुस्ययनासमान

स्यचीसङ्गुगुतिसधनर्ग

गायाथङ्गुङ्गुविङ्गुम्याङ्गु

यमालयिवनयूजाङ्गुयया

नीङ्गुम्यालेङ्गुयिवनयूङ्गु

यथायङ्गुङ्गुवनीसर्ग

रवङ्गुगाङ्गुवीरमगाङ्गुना

शुभं यथा ललितकेशस्य वि
द्या कुक्कुटलुङ्गालिचकेश्च
य नवलान्द्रिध्याकुतुर्भ
नस्वनीया निर्यकमोया
न ककुतुवाक्कनस्य विद्या
द्यथकुवाहनकुसुमपद्म
(ध्वनिचकेश्चययार्ग धाव
(यिगा वः स्थाननास्थान
(स्मयसवाव निम्नावय
वेदरुति माटवाष् ससा
यात्तथ आस्थान ऊजमका
रिहयक यगानवस
(र्त्तसायद वारुलकुस
नमीकाकु उक्कलकुवि
वैरुवियनिर्सी विधिर्त्यन्
सायावकुडा कययावक
वैधनवाहनकुयार्ग वस्य

(यवेदरुति शः माटवाट
वाटकु दयानुध आनाया

रीद्वेनवमातुयार्ग यगाया
र्ग मानस्वनीयार्ग निम्ना
व मानस्वनीयार्ग शक्ता
यसवादीमान

(इस्वित्तियार्ग वस्य विध्वन
(गाय यटवास कृमका
(धन मिभु दिष्टि शर्क
वश कर्कयताका शर्क
वश यवेदयगाकाय ३०॥
(निस्वाव वग वागवृग्गया
काटवर्ग कसर्वलि ६ कुडा
वनग्वृग्गम्यालनेय द्य ४

(औकु नवलि ३४ कवा २ ससा
(यवेदरुति माटवाट यान
थु २ ऊ लिम्याला चकन
वर्ग यिगा न भूयवास न्धि
द्यम्यालर्या सा कर्क

(दक्किनादम ३ काग्वृ ७

(स्वनेयुडा शर्क धर्ग इवृमिया
नथगा नथ सहरि रुचक ॥

समाः कथा

धि० चल यति० वलि याट २२
नूथा क० २२ रुन छि था लो क २ युति
माला कृवा लो क ट व अ ट
रु २० रु ले लि ० वा अ मा ग व उ ३
द्य वि वा ग व उ ० ध वि भे व द्या उ ३
स्मथ स मा व ० नु का प्र का ० या
सा क र्क ३ ० द कि ना द म ३
धर्न थ मा या व स थ वि वि ३ ०

मान ध्वनी या न व स थ वि धन
नाय ० य न वा सु ० धू नि ० यि ना
र ० ध य ० सिं धु ० ऊ ऊ म ० का न
उ ० धू य वा सु ० क था ० दि धि ३ ३
द व ० क र्क य ना का इ ३ न व इ ०
ऊ इ वा ल या टा ३ य र्थ इ य टा
का २० ऊ का स मा ल ० इ क स ०
सिं धु म र्क ३ सु क न ० धा लु
लि ० थ मा यि नि ० व लि या ट २ रु
कृ था लो क २ कृ कृ था लो क २
कृ कृ ल नु जा ० ऊ ० अ व लि ३ ३
नु जा व न ३ म्पाल न्भे व द्या इ अ
ल ठि ० च ल य ति अ मा ग व उ ०

या का ट र्थ ० स्म थ स मा व ० ऊ ०
मा मा ० नु का प्र का ० य थ इ मृ न
स्थान यु जा इ ० या स ग क ०
द कि ना ० द म ३ स ग व न इ ०
धे क न र्ध ० भि व द्या म्पाल न्भे
सा द कृ कृ था ० र्द व चा व न या
ग ० यु जा इ ० व लि या ट ०
ध्वन मा न्भे र्ध नी या व स थ वि वि ३

२ न व मी कृ कृ या व स थ वि धन
व कृ यि न थ या न् ० धू रु ठि ० इ का
नू थ ० उ धू र व उ या ट २ धू र्या वा
क ० नु जा व न ३ म्पाल न्भे द्या ३
२ धा कृ उ २ स मा व या ट २ ऊ लि
मा मा ० उ ० व लि या ट २ ऊ ० न
व लि ० उ र्थ क न र्ध ० ना य ० य
ट वा सु ० धू नि ० यि ना य ० धू य
वा सु ० स मा ० कृ था ० व व न ० व
यि य ति वि २ ० नु क स्थान ला क
नू ना हा य का व ० कृ नि २ ट वा
का उ ठा स्थान ० ध्व न्भे अ य र्थ ०
ला क २ धि व ० धि कि ० या न्

एवावृणदक्रिना॥ एवेष्टुवीचलु
यिका॥ कोरुहेवव
एधमथाधमककाद्रयाविधि
एईकुमथरु॥ एमूगकायविज्ञा
एकअनीकस्थान॥ स्वरुयात्र
एखवायमई॥ एणीलधूय
एठा॥ एसीया॥ एमूगिदक्रिना
एवागहिचलुनायिका॥ उ
मनकरुवव॥ एधममीकाद्रया

एमथाचनथरु॥ इयस्थान
एठाजा॥ एवृसागा॥ एक्रिपू
एकाम्रियात्र॥ एलाटमई
एवावधूय॥ एसीरवदक्रिना
एवण्डायनीचलुरुववहे॥ क
यावीसरुहेव॥ सिठिक्कना
एकचलुनथरु॥ एहिवाज्ञावा
एवीधूनिस्थान॥ एवीगामई
एजीनवा॥ एमनू३कास
एनचमीसधूय॥ एहियात्र॥
एवामलुमचलुधूया॥ शीखन

ऐनव॥ सागिक्कना॥
एसिद्ध॥ दक्रिना॥
एचउमुमथरु॥ एजीविस्थान॥
एखलुवगीमई॥ एकीरजा॥
एधूयवासधूय॥ एइयात्र॥
एदाकना॥ एससना
एरुणीकदक्रिना॥
एमाहालुक्की॥ अगिचलुका
संहारुहेवव॥ अस्मिक्कना॥

एचउमुमथरु॥
एकीकस्थान
एनि॥ खूनि॥ हि॥ यात्र
एहिवा॥ डावा
एनि॥ वृगिया॥ वा॥ एवदुनि
एमुमुयिधूय॥
एअस्मिक्काद्रवाया॥ नचमी
एवीदक्रिना॥
एधुगेउगचलुउत्यानि॥ नव
मीक्कना॥

एवामलुमचलुधूया॥ शीखन

ॐ
(उक्कल्लुडा) (आकासमेन

(वम्यस्थानमाले

(वेकुविकथसदेवकानवनं

(स्थानयूडा) (वलियाटा

(रंजानस्वानसन्नानयार्गयूडा

(यथेशमृत्) (एका) (द्वका

(सस्वनश) (स) (स्वानल) (एयंका

(वाक्कनयूडा) (निश्रावइउ

(यानयार्ग) (यूडा) (श) (लुमाव

(सिंभूविर्बुयाटा) (लुयाटा

(कसकन) (सिंभूर्मूठ

(द्वाल्पास्वयू) (न्याकियिपू) (

(काण्वउ

(द्वर्गेनवगाणयावसंय

(वम्यस्थान) (धं) (कडा) (यूमिमे

(धवि) (व्यालयाण) (क्कासना

(णीस्वणुभूय) (दाकना) (षाउ

(मुंदकिना

(वुक्कायनी) (मुडवणु) (ज

सिनीगरी) (वव) (याइका) (कुया

(वउमुमथरु) (मलिस्थान

(किचलिडा) (मज्जययाउ

(प्रदमंठ) (संथना) (सभूय

(कसना) (याथयना

(नावूनदकिना

(माहुधयी) (यवणुमउमउमंठ

(वव) (धर्गइना) (षया

(वकवणुनथरु) (यादमिस्थान

(वकसाविकं) (डा) (वण्डलिमेठ

(मद्यमज्जययाण) (कयूरयभूय

(कंयना) (दिद्वयना

(यूर) (दकिना

(कामाची) (वणुमउम) (वणुंठ

(वव) (धर्गेगिला) (वकी) (कुया

(वउमुमथरु) (मलिस्थान

(किचिडा) (मज्जलयाउ

(प्रदमंठ) (संथना) (सभूय

(कसना) (याथलया

[illegible]

(नयनाग्रयावस्यविद्वत्तन।
 (द्रुसग्वत्त०) (छिवस्तकि०
 (थयिनिर्द्यग्वत्त०)
 (थष्टुलिथाय० लिमिया०)
 (ष्टीरवत्त०) कथुमि० कथुपू०
 (कुँकम० ध्वने० वत्तुमुमच०)
 (दिष्टि०) नवद० (गाय
 (कर्णयनाकाश०) (यटवोस
 (यर्क० यटाकाय०) (यूनि
 (सिगाय०) (उजमका
 (ध्वन०) (सि०) (ध्वन०) (ध्वन०)
 (समयसनाय०) (इ०)
 (ना०) (द्वत्त०) (ध्वनाग्वत्त०)
 (न्यान०) (ध्वत्त०) (वृष्टि०) (वत्त०)
 (ककनायदष्टि०) (रुन०) (यू०) (क०)
 (ध्वलेरव०) (ध्वने०) (स०) (स०) (स०)
 (उ०) (लि०) (म्या०) (ना०) (व०) (नि०) (या०) (ट०)
 (कुजावन०) (र०) (म्या०) (न०) (व०) (द०) (र०)
 (आ०) (ना०) (य०) (र०) (व०) (न०) (य०) (पि०)
 (उ०) (र०) (न०) (व०) (नि०) (य०) (उ०)

[illegible][illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 श्रीमद्भगवद्गीता ॥ अध्यायः प्रथमः ॥
 अर्जुनस्य सन्निधौ श्रीकृष्ण उवाच ॥
 दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रो पाण्डुपुत्रस्य भारत ॥
 स्मृतं त्वं पाण्डुपुत्रो मया कुरुक्षेत्रे ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतः ॥
 मामकाः पाण्डुपुत्रो मे युधोत्तम ॥
 ॥ १ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ इति श्रीमद्भगवद्गीता ॥

॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ ॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥
॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥
॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥

॥ अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥

॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥
॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥
॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥
॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥ अहं ब्रह्मा स्मिन्महेश्वरः ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]